Indian e-Journal on Teacher Education (IEJTE)
Bi-Monthly e-Journal (Peer Reviewed)
ISSN 2320 –7566

विकसित भारत@2047 के संदर्भ में अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र

THRUST AREA OF RESEARCH IN CONTEXT OF VIKASIT BHARAT@2047

ड़ॉ. शैलेषकुमार छत्रसिंह चौधरी

एम.ए, बी.एड्, एम.एड्, एम.फ़िल, पीएच.डी.
हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी पाटन, गुजरात

==========

'विकसित' का अर्थ-विशेषण 'विकास हुआ' या 'खिला हुआ' (जैसे- विकसित कुसुम कली।) जो कोई चीज विकसित होती है तो वह बढ़ती है। और अगर आप कुछ विकसित करते है तो आप उसे बनाते है। समय के साथ-साथ धीरे-धीरे निर्माण करना, बढ़ाना या सुधार करना ही 'विकसित' का मतलब है। किसी भी क्षेत्र या राष्ट्र को विकसित करने के लिए उस देश या राष्ट्र का अर्थतन्त्र मजबूत होना अतिआवश्यक है।

'विकसित भारत@2047', स्वतंत्रता के 100 वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में परिवर्तित करने का विजन है। विकसित भारत का विजन आधुनिक बुनियादी ढ़ाचे और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर समृद्ध भारत का निर्माण करना तथा सभी क्षेत्रों के सभी नागरिकों को अपनी क्षमता तक पहुंचाने के अवसर प्रदान करना है।

11 दिसंबर 2023 को देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारत@2047 : युवाओं की आवाज़' को लॉन्च किया था। इस मौके पर उन्होंने व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में शैक्षणिक संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डालते कहा था कि "कोई राष्ट्र तभी विकसित होता है जब उसके लोगों का विकास होता है।"

वर्तमान समय की दिशा व दशा देख हमारे जाग्रत मन में 'विकसित भारत' के विषय को लेकर कई तरह के सवाल उठते रहते है जैसे-

(1) 'विकसित भारत 2047' का क्या मतलब है ?

(2) 2047 में विकसित भारत कैसा दिखना चाहिए ?

(3) 'विकसित भारत2047' का विषय क्या है ?

(4) 'नया भारत विजन 2047' क्या है ?

(5) 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हमें क्या करना होगा ?

आदि सवाल हमे दिशाविहीन बना देते है उपयुक्त सभी प्रश्नों के लिए एक अनुच्छेद प्रस्तुत है। :

कई बार हम सोचते है- हमने क्या किया ?, हम क्या कर रहे हैं ? व क्या करना चाहिए ? हमें वो ही नहीं पता होता है हमे किसकी जरूरत है ? हमे जरूरत है सही सलाह व सही मार्गदर्शन की। इसके लिए

आपको वर्तमान समय के साथ चलना पड़ेगा, अपने व्यवहार में आधुनिकता, वैज्ञानिकता लानी पड़ेगी, नए सोच-विचारों को चर्चा का विषय बनाना पड़ेगा। तन-मन से जाग्रत होना पड़ेगा। तभी हम हमारे विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को पूरा कर पाएंगे। भारत को एक विकसित इकाई में बदलने के लक्ष्य और दृष्टिकोण को प्राप्त करना, जिसके लिए वर्तमान सरकार ने पहल की है। यह सरकार विकसित राष्ट्र या विकसित भारत को प्राप्त करने के लिए लोगों की क्षमताओं को सशक्त और बेहतर बनाकर देश के सर्वांगीण विकास को प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। विकसित भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलना है। उसका सार्थक प्रतिबिंब दुनिया के हर आईने में स्पष्ट रूप से विकसित होते दिखाना है। जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण में स्थिरता, समावेशी सामाजिक प्रगति और सुशासन जैसे महत्वपूर्ण भिन्न-भिन्न पहलूओं को शामिल किया जाएगा। विकसित भारत के मुख्य विषयों में क्रमशः है

> सशक्त भारतीय (स्वास्थ्य, शिक्षा, नारी, शक्ति, खेल संस्कृति, देखभाल करने वाला समाज)

> संपन्न और टिकाऊ अर्थव्यवस्था (उद्योग, ऊर्जा, कृषि, बुनियादी ढांचा, सेवाएं, हरित अर्थव्यवस्था, शहर)

> नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (अनुसंधान और विकास, स्टार्टअप, डिजिटल)

> अनुशासन और सुरक्षा

> विश्व-पटल में भारत।

देश के वर्तमान वित्तमंत्री 'निर्मला सितारमण' ने 25 जुलाई 2024 के मंगलवार के दिन अपने सातवें बजट 2024-25 में 'विकसित भारत@2047' के विजन को पूर्ण करने की तत्परता दर्शाती है। वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में कुल व्यय 48,20,512 करोड़ अनुमानित है, इसमें से कुल पूंजीगत व्यय 11,11,111 करोड़ है जो वर्ष 2023-24 की तुलना में इस वर्ष का पूंजीगत व्यय 16.9% की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि दर विकसित भारत के विजन को साकार रूप देने की क्षमता दर्शाता है। इनमें निर्धारित रणनीति के अनुरूप पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए मुख्यतः 9 प्रकार की प्राथमिकताओं पर क्रमशः निरंतर प्रयासों की पारिकल्पना की गई है।

(1) कृषि में उत्पादकता और लचीलापन

(2) रोजगार और कौशल

(3) समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय

(4) विनिर्माण और सेवाएं

(5) शहरी विकास

(6) ऊर्जा सुरक्षा

(7) आधारभूत संरचना

(8) नवाचार, अनुसंधान और विकास

(9) अगली पीढ़ी के सुधार

नया भारत विजन 2047, एक समृद्ध भारत का निर्माण है। जिसमें आधुनिक बुनियादी ढांचे, प्राकृतिक परिवेश और सभी क्षेत्रों के सभी नागरिकों के लिए अपनी क्षमता तक पहुंचाने के अवसरों का सामंजस्य है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए हमें एक महत्वाकांक्षी, साहसिक और परिवर्तनकारी एजेंडा तैयार करना है। सरकार ने इसके लिए एक सरल उपाय दिया है- MyGov पोर्टल पर जाकर राष्ट्र निर्माण के लिए अपने विचार, सुझाव और नवीन विचार प्रदान करें। ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में आप अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

अपने विचारों और सुझाओं को हम समर्पित कर सके इस लिए सरकार ने एक वेब पेज स्थापित किया है। जिसमे हम पंजीकरण के साथ सुझाव और विचार का आदान-प्रदान कर सकते है। उसके लिए हमे कुछ चरणों से गुजरना पड़ेगा।

चरण 1 : MyGov पोर्टल पर जाएं।

चरण 2 : 'विकसित भारत के लिए अपने विचार साझा करे' बटन पर क्लिक करें।

चरण 3 : अपना नाम और मोबाइल नंबर/ईमेल आईडी दर्ज करें और 'ओटीपी के साथ लॉग इन' बटन पर क्लिक करें।

चरण 4 : अपने मोबाइल नंबर/इमेल पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें और 'सबमिट' पर क्लिक करें।

चरण 5 : छात्र या गैर-छात्र के रूप में भागीदारी का चयन करें और आवश्यक विवरण जैसे शिक्षा, व्यवसाय, नाम, लिंग, आयु, मोबाइल नंबर, इमेल और पता दर्ज करें और पृष्ठी करें और आगे बढ़ें बटन पर क्लिक करें।

चरण 6 : अपने विचार साझा करने के लिए एक या अधिक विषयों का चयन करें तथा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने तथा इसे प्राप्त करने के लिए अपने विचार या सुझाव प्रदान करें और 'सबमिट' पर क्लिक करें।

भारत सरकार झारखंड, बिहार, ऑडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे पूर्वी क्षेत्रों के सर्वांगी विकास के लिए बुनियादी ढांचा, मानव संसाधन विकास और आर्थिक अवसरों का सृजन करेगा। जो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का महत्वपूर्ण इंजन साबित होगा।

वर्तमान सरकार सर्वव्यापी, सर्वांगीण और सर्वसमावेशी विकास की दिशा में काम कर रही है। यह सरकार चार प्रमुख क्षेत्र-बिन्दु पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी। जिसमे क्रमशः 'गरीब', 'महिलाएं', 'युवा' और 'किसान' है। विकसित भारत के विजन को पूरा करने के लिए इन चार प्रमुख स्थंभ का निर्माण होना बहुत जरूरी है।

> देश की गरीबी (Poverty) **:** वर्तमान सरकार ने देश की गरीबी को दूर करने के लिए रोजगारलक्षी प्रोजेक्ट पर कार्य करना शुरू किया है। इसके तहत व्यवसायलक्षी शिक्षा व्यवस्था करना, गरीब छात्रों को मुफ़्त शिक्षा, वाहन व्यवहार, राशन आदि की व्यवस्था की गई है।

> सशक्त महिलाएं (Empowered Woman) **:** वर्तमान सरकारने महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को वेग देकर यह सिद्ध कर दिया है कि अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकती है। शिक्षाक्षेत्र, व्यापारक्षेत्र, विज्ञान क्षेत्र, राजनीति क्षेत्र आदि सभी में महिलाओं का योगदान अपूर्व है। 'जन-धन योजना' महिला सशक्तिकरण का जीता-जागता सुबूत है जिसके तहत 29 करोड़ से अधिक खाते से जन-धन विभाग ने बचत और निवेश के नए अवसर पैदा किए। इसी जन-धन खातों पर आधारित सूक्ष्म-वित्त की सबसे बड़ी योजना 'मुद्रा योजना' शुरू हुई। इस योजना के लाभार्थियों में 70% महिलाएं है। जन-धन विभाग ने महिला स्वयं सहायता समूह को भी बैंकिंग से जोड़ दिया गया है।

>देश का युवा धन-वर्ग (Country's Youth Wealth-Class) **:** 15 अगस्त 2024 गुरुवार के दिन 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर बिना किसी राजनीतिक पृष्टभूमि वाले एक लाख युवाओं से राजनीति में शामिल होने की प्रधानमंत्री श्री की अपील को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने युवाओं से भारत के विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सार्वजनिक जीवन और राजनीति में शामिल होने का आग्रह किया। मोदी जी के शब्दों में- **"आज़ादी की लड़ाई में भी समाज के सभी वर्गों के लोग, चाहे उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, शामिल हुए और आज़ादी की लड़ाई में शामिल हुए। विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए हम सभी को ऐसी भावना विकसित करने की आवश्यकता है। युवा बड़े पैमाने पर राजनीति में आने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्हे उचित मार्गदर्शन और उचित अवसर देने की जरूरत है।"१**

> देश का अन्नदाता-किसान Country's Food Provider-Farmer)**:** देश के किशानों को 26 जनवरी 2024 सोमवार के दिन केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री अश्विन वैष्णव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा कृषि क्षेत्र से जुड़ी करीब 7 करोड़ रुपये की सात प्रमुख योजनाओं को मंजूरी दी। जिसमे तकरीबन 14000 करोड़ खर्च किए जाएंगे। केंद्रीय कैबिनेट मंत्रिमंडल की सात महत्वपूर्ण योजनाएं व निवेश की कीमत इस प्रकार हैं –

(1) खाद्य,पालंन के 'फसल विज्ञान योजना' के लिए 3979 करोड़।

(2) 'डिजिटल कृषि मिशन' के लिए 2817 करोड़।

(3) कृषि शिक्षा और प्रबंधन को सक्षम बनाने के लिए 2292 करोड़।

(4) पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1702 करोड़।

(5) बागवानी के लिए 860 करोड़।

(6) कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1202 करोड़।

(7) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 1115 करोड़।

यह मिशन किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए है।

फिनटेक क्रांति (Fintech Revolution)**:**

30 अगस्त 2024 शुक्रवार के दिन मुंबई में मिली ' जियो वर्ल्ड कान्वेंशन सेंटर' में 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' में प्रधानमंत्री श्री ने कहा था- **"फिनटेक के मामले में भारत की विविधता देखकर दुनिया हैरान है। एक समय था जब लोग हमारी सांस्कृतिक विविधता को देखकर आश्चर्यचकित रह जाते थे, पर अब लोग हमारी फिनटेक विविधता से भी आश्चर्यचकित है।"**२ सांसद में प्रश्न रखा गया था कि देश में पर्याप्त बैंक नहीं, इंटरनेट नहीं है तो फिनटेक क्रांति कैसे आएगी ? जवाब में कहा था- **"अब एक दशक में ब्रॉडबैंड यूजर्स 6 करोड़ से बढ़ाकर 94 करोड़ हो गए है, भारत की फिनटेक क्रांति वित्तीय समावेशन में सुधार के साथ-साथ नवाचार को भी बढ़ावा दे रही है। भारत की UPI सेवा दुनिया भर में फिनटेक का एक बड़ा उदाहरण बन गई है।"**३

अप्रत्यक्ष रोजगार : शहरों के निर्माण से नियोजित औद्योगीकारण के माध्यम से लगभग 10 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने का अनुमान जताया है। इन परियोजनाओं से लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश क्षमता भी उत्पन्न होगी। इस अवधारणा को वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में पेश किया गया था, जिसका विवरण कुछ इस प्रकार है।– **"केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज 'इंडस्ट्रियल कॉरीडोर डेवलोपमेंट प्रोग्राम' के तहत 12 स्मार्ट औद्योगिक शहरों को मंजूरी दी। इस फैसले से देश में घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार की इस योजना के पीछे 20,602 करोड़ रुपयों का निवेश किया जाएगा। 10 राज्यों में फैले 6 प्रमुख आर्थिक कॉरीडोर भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र है- उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा व पटियाला, महाराष्ट्र में दिधी, केरल में पलक्कड, उत्तरप्रदेश में आगरा व प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, आंध्रप्रदेश में ऑरवाकल व कॉप्पर्थी, राजस्थान में जोधपुर व पाली रहेंगे।"**४ देश में इसी प्रकार के 8 औद्योगिक शहर कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में पहले से ही हैं। देश में 12 नए स्मार्ट औद्योगिक शहर की घोषणा से इनकी संख्या 20 हो जाएगी। इस बजट में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राज्यों और निजी क्षेत्रों के साथ साझेदारी में देश के कई शहरों में या उसके आसपास प्लग एण्ड प्ले औद्योगिक पार्क विकसित करने की घोषणा एक लक्ष्य के तहत की गई है।

वाघवन पोर्ट का शिलान्याश :

2047 तक विकसित भारत के लिए देश की आकांक्षाओं को पूरा किया जा रहा है। भारत के सबसे बड़े पोर्ट (बंदरगाह) 'वाघवन' का निर्माण करके। इस के चलते देश के विविध मत्स्य उद्योग योजनाओं का उद्घाटन, शिलालेख और नेशनल रोल आउट में लगभग 77,000 करोड़ की योजनाओं को प्रधानमंत्री श्री के द्वारा 30 अगस्त 2024 शुक्रवार के दिन पालघर-महाराष्ट्र से मंजूरी दी गई। उस समय प्रधानमंत्री श्री का कथन था- **"विकसित भारत के निर्माण में महाराष्ट्र की अहम भूमिका है। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र को दुनिया की**

सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। महाराष्ट्र के वाघवन में एक प्रमुख बंदरगाह के विकास से आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।"५

'वाघवन' प्रोजेक्ट के बारे में :

> भारत का 13 वां सबसे बड़ा बंदरगाह।

> इस प्रोजेक्ट के लिए 76,200 करोड़ का निवेश।

> ऑल वेधर ग्रीनफील्ड पोर्ट डेवलोपमेंट।

> वार्षिक 300 मिलियन टन की क्षमता।

> 20 मीटर गहरा ड्राफ्ट।

> समुद्र के भीतर की जमीन पर एक पूरा बंदरगाह।

> 24000 TEUS के जहाजों को सँभालने में सक्षम।

> वार्षिक 23.2 मिलियन कंटैनर्स को संभालने की क्षमता।

'वाघवन' प्रोजेक्ट से राष्ट्र को होने वाले लाभ :

> 12 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना।

> 1 करोड़ से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार की संभावना।

> इंडिया मिडल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरीडोर (imec) के माध्यम से exim बढ़ावा।

> इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्टेशन कॉरीडोर (instc) के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा।

> सुदूर पूर्व, यूरोप, मध्य-पूर्व, आफ्रिका और अमेरिका के बीच आंतरराष्ट्रीय शिपिंग लाइनों में चलनेवाले मुख्य जंगी जहाजों का प्रबंधन।

> स्थानीय उत्पादों के निर्यात, व्यापार और विपणन का विस्तार।

मत्स्य पालन से लाभ :

> मछली पकड़नेवालें जहाजों की सुरक्षित लैंडिंग और बर्फींग के लिए आधुनिक फिशिंग हार्बर्स व मत्स्य पालन की गतिविधिओं का हब।

> रि-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ़्लेक्स और केज कल्चर जैसी नई तकनीकों को शामिल करना।

> गुणावत्तापूर्ण मछली बीज और चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

> निर्बाध कोल्ड चेन सुविधा और स्मार्ट फिश मार्केट।

> 5.23 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करना।

> मछली प्रजातियों का विविधीकरण और स्वदेशी प्रजातियों को बढ़ावा देना।

> वेसल संचार और सहायता प्रणाली का नेशनल रोलआउट।

विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए-

> सभी विश्वविद्यालयों के छात्रों और युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने की जरूरत पर जोर दिया।

> भारत के भाग्य में दृढ़ विश्वास, अटूट समर्पण और लोगों में, विशेष रूप से युवाओं की विशाल क्षमता और प्रतिभा की गहन मान्यता की माँग की।

> 'युवाओं के विचार' नामक युवा आंदोलन के माध्यम से परिवर्तनकारी एजेंडे में शामिल होने का निमंत्रण दिया व अपने विचारों का योगदान देने का आग्रह किया।

> भारत के प्रत्येक विश्वविद्यालय और कॉलेज में विशेष अभियान चलाने का सुझाव दिया।

> विकसित भारत से संबंधित 'आइडियाज पोर्टल' की शुरुआत की।

2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए-

अर्थव्यवस्था का आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण में स्थिरता, समावेशी सामाजिक प्रगति और सुशासन जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार करना अतिआवश्यक है।

> अर्थव्यवस्था का आर्थिक विकास (Economic Development Of The Economy) **:** एक विकसित भारत की अर्थव्यवस्था लचीली और मजबूत होनी चाहिए जिससे सभी नागरिकों को अवसर और उच्च जीवन स्तर प्रदान कर सके। अर्थव्यवस्था को उद्यमशीलता, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता के आधार पर 21 वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो।

> पर्यावरण संरक्षण में स्थिरता (Sustainability In Environmental Protection) **:** भारत की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए एक विकसित भारत में स्वच्छ और हरित वातावरण होना चाहिए। पर्यावरण को पुनर्स्थापन, संरक्षण और लचीलापन के आधार पर जलवायु परिवर्तनों के प्रभावों को कम करने में सक्षम होना चाहिए।

> समावेशी सामाजिक प्रगति (Inclusive Social Progress) **:** एक विकसित भारत में एक समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज हो, सभी नागरिकों की गरिमा और कल्याण सुनिश्चित करे, समाज को न्याय, समानता और विविधता आधारित भारत की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान प्राप्त हो।

> सुशासन (Good Governance) **:** एक विकसित भारत में सुदृढ़ नीति-रीति के साथ चुस्त शासन हो। सुशासन प्रणाली वह है जहाँ विश्वास व सुधार के लिए क्षेत्र-विशेष का विश्लेषण करने और टीमवर्क, चिंतन-मनन सहानुभूति और परामर्श के साथ देश को अत्याधुनिक बनाने के लिए तेजी से कार्य करने का प्रावधान हो।

आज आज़ादी का 'अमृतकाल' चल रहा है। आज़ादी के 100 साल पूरे होने तक यानि 2047 तक का समय देश की अमरता का समय है। बहुमुखी संघर्ष और बलिदान की लंबी यात्रा के बाद हमारे देश ने राष्ट्रव्यापी जनजागरण और सत्य की घोषणा के आधार पर स्वतंत्रता का सूर्य देखा। स्वराज, स्वाभिमान, स्वदेशी और

स्वभाषा इस पूरे संघर्ष की सबसे महत्वपूर्ण प्रेरणा स्रोत थे।1947 की तुलना में आज हमने सामाजिक जीवन एवं राष्ट्रीय जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2047 तक यह अमरत्व पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र का लक्ष्य भी निर्धारित होता है। और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में देश के सभी नागरिकों की भूमिका बहुत बढ़ जाती है। निस्संदेह, हम पिछले 77 वर्षों में एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आगे बढ़े हैं, लेकिन एक संपूर्ण सार्वभौम, लोकतान्त्रिक गणराज्य बनने और अपने सभी नागरिकों को विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, न्याय और पूजा की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए स्वतंत्रता, गरिमा और अवसर की समानता और व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता को कायम रखने वाली बंधुता को प्राप्त करने के लिए अभी भी विकसित भारत 2047 का एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। गीत में श्रीकृष्ण ने कहा है "परिवर्तन संसार का नियम है।" और हम सब 'भारत' को 'विकसित भारत' में बदलने जा रहे है। परिवर्तन के पाँच महत्वपूर्ण बिंदु सामाजिक समरसता, पारिवारिक ज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्यों का पालन करना इस पर गंभीरता से ध्यान देने और रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करने से न केवल देश का गौरव बढ़ेगा बल्कि जल्द ही भारत विश्वगुरु की भूमिका में स्थापित हो जाएगा। गीता ज्ञान में और एक सुंदर श्लोक है।

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्ग्ोडस्त्वकर्मणि।।"६

आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक कर्म करने जा रहे है जो हमारे इतिहास को समय-समय पर दौहराया जाएगा। हमे नहीं लेकिन हमारी आने वाली पीढ़ी को एक भेंट-सौगात के रूप में एक 'विकसित भारत' को सौंप जाएंगे।

संदर्भ-सूचि

(1) वर्तमान समाचार पत्र 'संदेश', 26 अगस्त 2024, 'मन की बात' – प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, संस्करण 113 पृष्ट सं- 13

(2) वर्तमान समाचार पत्र 'संदेश', 31 अगस्त 2024 शनिवार, पृष्ट सं- 15

(3) वर्तमान समाचार पत्र 'संदेश', 31 अगस्त 2024 शनिवार, पृष्ट सं- 15

(4) वर्तमान समाचार पत्र 'संदेश', 29 अगस्त 2024 गुरुवार, पृष्ट सं- 1

(5) वर्तमान समाचार पत्र 'संदेश', 30 अगस्त 2024 शुक्रवार, पृष्ट सं- 5

(6) भागवत गीता, अध्याय दो, श्लोक सं- 47